भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 556

जिसका उत्तर 22 जुलाई, 2026 को दिया जाना है

ओडिशा में कोयला गैसीकरण परियोजनाएं

556. श्री प्रदीप पुरोहित:

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में ओडिशा के झारसुगुडा में कोयला गैसीकरण परियोजना और ताप विद्युत परियोजना का उद्घाटन किया है/आरंभ की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त प्रत्येक परियोजना की कुल स्वीकृत परियोजना लागत, वर्तमान स्थिति और पूरा होने की निर्धारित समय-सीमा क्या है;

(ग) इन परियोजनाओं के अंतर्गत कार्य की परिधि क्या है और इसमें कौन-कौन सी कार्यान्वयन एजेंसियां, ईपीसी ठेकेदार और अन्य कार्य निष्पादक संगठन शामिल हैं; और

(घ) निर्माण और संचालन के दौरान लगभग कितना प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होने का अनुमान है और कितने कुशल, अर्ध-कुशल और अकुशल कामगारों को नियोजित किए जाने का प्रस्ताव हैं तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के कितने अवसर अपेक्षित हैं

उत्तर

कोयला और खान राज्य मंत्री

(श्री सतीश चन्द्र दुबे)

(क): भारत के माननीय राष्ट्रपति और भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिनांक 20.06.2026 को लखनपुर, झारसुगुडा, ओडिशा में कोयला गैसीकरण आधारित अमोनियम नाइट्रेट परियोजना के साथ-साथ चरण- II विस्तार परियोजना, 2x660 मेगावाट, आईबी ताप विद्युत स्टेशन की आधारशिला रखी गई है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) का संयुक्त उद्यम भारत कोल गैसिफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल) कोयला गैसीकरण परियोजना का परियोजना प्रस्तावक है, जबकि ओडिशा पावर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (ओपीजीसी) ताप विद्युत परियोजना के लिए परियोजना प्रस्तावक

है। कोयला गैसीकरण परियोजना का स्थान लखनपुर है, जबकि ताप विद्युत परियोजना का स्थान झारसुगुड़ा जिले में बनहरपल्ली है।

(ख): कोयला गैसीकरण परियोजना की स्वीकृत लागत 25,016 करोड़ रुपये है। पर्यावरणीय स्वीकृति और स्थापना के लिए सहमति प्राप्त कर ली गई है, प्रमुख ईपीसी पैकेज प्रदान किए जा चुके हैं और स्थल विकास प्रगति पर है। इस परियोजना को मार्च 2030 तक चालू होने के लिए निर्धारित है। ताप विद्युत परियोजना की लागत के साथ-साथ इसके पूरा होने की समय-सीमा को अंतिम रूप नहीं दिया गया है क्योंकि यह बोली प्रक्रिया के अधीन है।

(ग): कोयला गैसीकरण परियोजना में बीएचईएल की स्वदेशी प्रेशराइज्ड फ्लुइडाइज्ड बेड गैसिफिकेशन (पीएफबीजी) प्रौद्योगिकी पर आधारित 0.66 एमएमटीपीए कोयला-से-अमोनियम नाइट्रेट संयंत्र स्थापित करने की परिकल्पना की गई है। बीसीजीसीएल परियोजना प्रस्तावक है, पीडीआईएल परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता है और प्रमुख ईपीसी पैकेज बीएचईएल और एलएंडटी को दिए गए हैं। विद्युत परियोजना के लिए ठेकेदार के नाम को अंतिम रूप नहीं दिया गया है क्योंकि यह बोली प्रक्रिया के अधीन है। ओडिशा पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओपीजीसी) 2x660 मेगावाट विद्युत परियोजना के लिए परियोजना प्रस्तावक है।

(घ): कोयला गैसीकरण परियोजना से लगभग 2,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की अपेक्षा है। कुशल, अर्ध-कुशल और अकुशल मैनपावर की नियुक्ति परियोजना की आवश्यकताओं के अनुसार होगी। पात्र स्थानीय युवाओं को लागू नीतियों के अनुसार तरजीह दी जाती है।

*****